GIRLS' HIGH SCHOOL & COLLEGE PRAYAGRAJ

Worksheet No - 1

Session -2020-2021

Class 8 A,B,C,D&E

Subject- Sanskrit

निर्देश - अभिभावकों से निवेदन है कि दिए गए गद्यांश और उसके अनुवाद को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने में छात्राओं की सहायता करें।

पाठ - वृक्षस्य आत्मकथा

एकदा भ्रमणार्थम् रमेशः स्वम् उद्यानं अगच्छत्। एकस्य आम्र-वृक्षस्य अग्रे स्थितः रमेशः ईशलीलया विस्मितः विचारमग्नः आसीत्। मुहूर्तानंतरं एव आम्रवृक्षः तम् कुतूहलिनं प्रेक्ष्य अवदत्-

आदौ अहं लघुबीज-रूपे आसम्। उद्यान-पालकेन अहम् अन्य- बीजैः सह भूमौ उप्तम् । सप्ताहानंतरं सर्वाणि तानि बीजानि अंकुरितानि । सूर्यरश्मिभि: स्निग्धपवनेन च स्पृष्टोऽहम् क्रमशः अवर्धे । ततः तव पित्रा अहम् अत्र आनीतः अस्मिन् उद्याने च आरोपितः।

अनुवाद -

एक बार रमेश घूमने के लिए अपने बाग में गया। आम के एक वृक्ष के आगे खड़ा होकर रमेश ईश्वर की लीला से अचंभित हो कर विचार में डूबा हुआ था।क्षण भर के पश्चात् ही आम का पेड़ उसको कौतूहल में देखकर बोला-

आदि में मैं छोटे बीज के रूप में था। बगीचे के रखवाले द्वारा मैं दूसरे बीजों के साथ भूमि में बो दिया गया। एक सप्ताह के बाद वे सभी बीज अंकुरित हुए। सूरज की किरणों और स्निग्ध हवा के द्वारा छूने से मैं क्रमशः बढ़ा। उसके बाद तुम्हारे पिता के द्वारा मैं यहां लाया गया और इस बाग में लगाया गया।

शब्दार्थ -

एकदा -एक बार स्वम्- अपने

अगच्छत्- गया प्रेक्ष्य - देखकर

आनीतः -लाया गया

अंकुरितानि - अंकुरित हुए

प्रश्न 1 -

(क) भ्रमणार्थम् कः अगच्छत्?

(ख) रमेशः कस्य अग्रे स्थितः आसीत्?

प्रश्न 2 - खाली जगह भरो -

(क) आदौ अहं ----- आसम् ।

(ख) उद्यान- पालकेन अहम्---- बीजैः सह भूमौ उप्तम् ।

(ग) सप्ताहानंतरं सर्वाणि तानि----- अंकुरितानि।

प्रश्न 3- नीचे लिखे शब्दों के संधि-विच्छेद कीजिए-

(क) मुहूर्तानंतरं

(ख) सप्ताहानंतरम्

END